जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों के विरुद्ध अधिकार

सुर्ख़ियों में क्यों?

- हाल ही में, सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में, "जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों के खिलाफ अधिकार" को शामिल करने के लिए अनुच्छेद 14 और 21 के दायरे का विस्तार किया है।

समाचार के बारे में अधिक जानकारी

- सर्वोच्च न्यायालय ने समय-समय पर गरिमामय अस्तित्व के विभिन्न पहलुओं को शामिल करने के लिए मौलिक अधिकार अध्याय का विस्तार किया है। हालाँकि, यह पहली बार है कि इसमें "जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों के विरुद्ध अधिकार" को शामिल किया गया है।

- अदालत ने अपने आदेश में कहा कि सरकारी नीति और नियम-कायदों के बावजूद जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों को पहचानने और इससे निपटने की कोशिश करने के बावजूद, भारत में कोई एकल या व्यापक कानून नहीं है जो जलवायु परिवर्तन और संबंधित चिंताओं से संबंधित हो।
- अनुच्छेद 21 जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार को मान्यता देता है जबकि अनुच्छेद 14 इंगित करता है कि सभी व्यक्तियों को कानून के समक्ष समानता और कानूनों का समान संरक्षण प्राप्त होगा। ये अनुच्छेद स्वच्छ पर्यावरण के अधिकार और जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों के खिलाफ अधिकार के महत्वपूर्ण स्रोत हैं।
- संविधान के अनुच्छेद 48ए में प्रावधान है कि राज्य पर्यावरण की रक्षा और सुधार करने तथा देश के वनों और वन्यजीवों की सुरक्षा करने का प्रयास करेगा। अनुच्छेद 51ए के खंड (जी) में कहा गया है कि जंगलों, झीलों, नदियों और वन्यजीवों सहित प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा और सुधार करना और जीवित प्राणियों के प्रति दया रखना भारत के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य होगा।
- हालाँकि ये संविधान के न्यायसंगत प्रावधान नहीं हैं, लेकिन ये संकेत हैं कि संविधान प्राकृतिक दुनिया के महत्व को पहचानता है, "भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने कहा है।
- पर्यावरण का महत्व, जैसा कि इन प्रावधानों द्वारा दर्शाया गया है, संविधान के अन्य भागों में एक अधिकार बन जाता है। अनुच्छेद 21 जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार को मान्यता देता है जबकि अनुच्छेद 14 इंगित करता है कि सभी व्यक्तियों को कानून के समक्ष समानता और कानूनों का समान संरक्षण प्राप्त होगा। ये अनुच्छेद स्वच्छ पर्यावरण के अधिकार और जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों के खिलाफ अधिकार के महत्वपूर्ण स्रोत हैं।
- अदालत ने कहा, "जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों को पहचानने और इससे निपटने की कोशिश करने वाली सरकारी नीति और नियमों और विनियमों के बावजूद, भारत में जलवायु परिवर्तन और संबंधित चिंताओं से संबंधित कोई एकल या व्यापक कानून नहीं है।"
- स्वच्छ पर्यावरण के अधिकार पर, अदालत ने कहा: "स्वच्छ पर्यावरण के बिना, जो स्थिर हो और जलवायु परिवर्तन की अनिश्चितताओं से अप्रभावित हो, जीवन का अधिकार पूरी तरह से साकार नहीं होता है। स्वास्थ्य का अधिकार (जो अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार का एक हिस्सा है) वायु प्रदूषण, वेक्टर जनित बीमारियों में बदलाव, बढ़ते तापमान, सूखा, फसल की विफलता के कारण खाद्य आपूर्ति में कमी, तूफान जैसे कारकों के कारण प्रभावित होता है। और बाढ़. वंचित समुदायों की जलवायु परिवर्तन के अनुकूल ढलने या इसके प्रभावों से निपटने में

असमर्थता जीवन के अधिकार (अनुच्छेद 21) के साथ-साथ समानता के अधिकार (अनुच्छेद 14) का उल्लंघन करती है।

- नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का प्रचार समाज के सभी वर्गों, विशेषकर ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों के लिए स्वच्छ और सस्ती ऊर्जा तक पहुंच सुनिश्चित करके सामाजिक समानता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- यह गरीबी उन्मूलन में योगदान देता है, जीवन की गुणवत्ता बढ़ाता है और पूरे देश में समावेशी वृद्धि और विकास को बढ़ावा देता है। इसलिए, नवीकरणीय ऊर्जा में परिवर्तन न केवल एक पर्यावरणीय अनिवार्यता है, बल्कि भारत की भविष्य की समृद्धि, लचीलेपन और स्थिरता में एक रणनीतिक निवेश भी है।
- इसलिए, राज्यों को जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए प्रभावी उपाय करने और यह सुनिश्चित करने के लिए मजबूर किया जाता है कि सभी व्यक्तियों के पास जलवायु संकट के अनुकूल होने के लिए आवश्यक क्षमता हो।

विश्व स्वास्थ्य दिवस 2024

खबरों में क्यों?

- विश्व स्वास्थ्य दिवस एक वैश्विक स्वास्थ्य जागरूकता दिवस है जो विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के साथ-साथ अन्य संबंधित संगठनों के प्रायोजन के तहत हर साल 7 अप्रैल को मनाया जाता है। प्रथम विश्व स्वास्थ्य सभा ने 1950 से प्रत्येक वर्ष 7 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाने का निर्णय लिया।

समाचार के बारे में अधिक जानकारी

- विश्व स्वास्थ्य दिवस डब्ल्यूएचओ की स्थापना को चिह्नित करने के लिए आयोजित किया जाता है, और संगठन द्वारा इसे हर साल वैश्विक स्वास्थ्य के लिए प्रमुख महत्व के विषय पर दुनिया भर का ध्यान आकर्षित करने के अवसर के रूप में देखा जाता है।
- विश्व स्वास्थ्य दिवस, विश्व क्षय रोग दिवस, विश्व टीकाकरण सप्ताह, विश्व मलेरिया दिवस, विश्व तंबाकू निषेध दिवस, विश्व एड्स दिवस, विश्व रक्तदाता दिवस और विश्व हेपेटाइटिस दिवस के साथ-साथ WHO द्वारा चिह्नित आठ आधिकारिक वैश्विक स्वास्थ्य वार्षिक अभियानों में से एक है।
- वर्ष 2024 WHO की 76वीं वर्षगांठ है और उत्सव के एक भाग के रूप में WHO ने विश्व स्वास्थ्य दिवस 2024 के विषय के रूप में 'मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार' चुना है जो मौलिक मानव अधिकार पर केंद्रित है: गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और सूचना तक पहुंच।.
- इस वर्ष की थीम गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और सूचना के साथ-साथ सुरक्षित पेयजल, स्वच्छ हवा, अच्छा पोषण, गुणवत्तापूर्ण आवास, सभ्य कार्य और पर्यावरणीय स्थिति और स्वतंत्रता तक पहुंच के हर किसी के अधिकार को चैंपियन बनाने के लिए चुनी गई थी।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के बारे में

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) स्वास्थ्य के लिए संयुक्त राष्ट्र की विशेष एजेंसी है। यह एक अंतर-सरकारी संगठन है और आमतौर पर स्वास्थ्य मंत्रालयों के माध्यम से अपने सदस्य राज्यों के साथ मिलकर काम करता है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन वैश्विक स्वास्थ्य मामलों पर नेतृत्व प्रदान करने, स्वास्थ्य अनुसंधान एजेंडा को आकार देने, मानदंडों और मानकों को स्थापित करने, साक्ष्य-आधारित नीति विकल्पों को स्पष्ट करने, देशों को तकनीकी सहायता प्रदान करने और स्वास्थ्य

रुझानों की निगरानी और आकलन करने के लिए जिम्मेदार है।

- भारत 12 जनवरी 1948 को WHO संविधान का एक पक्ष बन गया। भारत WHO दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र का एक सदस्य राज्य है।
- WHO का उद्देश्य सभी लोगों के स्वास्थ्य के उच्चतम संभावित स्तर को प्राप्त करना है। स्वास्थ्य, जैसा कि डब्ल्यूएचओ संविधान में परिभाषित किया गया है, पूर्ण शारीरिक, मानसिक और सामाजिक कल्याण की स्थिति है, न कि केवल बीमारी या दुर्बलता की अनुपस्थिति।

परिवर्तन चिंतन

खबरों में क्यों?

- परिवर्तन चिंतन, एक अग्रणी त्रि-सेवा सम्मेलन जिसका उद्देश्य संयुक्तता और एकीकरण के प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए नए और नए विचारों, पहलों और सुधारों को उत्पन्न करना है, 8 अप्रैल 2024 को नई दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है ।

समाचार के बारे में अधिक जानकारी

- सभी त्रि-सेवा सैन्य संस्थानों के प्रमुख 8 अप्रैल को पहली बार त्रि-सेवा योजना सम्मेलन 'परिवर्तन' के लिए नई दिल्ली में एकत्रित होंगे। चिंतन '.
- यह सम्मेलन सेना, नौसेना और वायु सेना के तत्वों सहित एकीकृत थिएटर कमांड स्थापित करने के लिए तीनों सेवाओं के संयोजन की पृष्ठभूमि पर होता है।
- संयुक्तता और एकीकरण प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए नए और ताज़ा विचार, पहल और सुधार पैदा करना है।
- 'चिंतन' सभी त्रि-सेवा संस्थानों, सैन्य मामलों के विभाग (डीएमए), मुख्यालय एकीकृत रक्षा स्टाफ (आईडीएस) और तीनों सेवाओं के प्रमुखों का पहला सम्मेलन होगा, जिसमें विभिन्न सेवा वर्ग के अधिकारी शामिल होंगे। उनकी विविध समझ और अनुभव, तेजी के साथ वांछित 'संयुक्त और एकीकृत' अंतिम स्थिति को प्राप्त करने के उपायों की सिफारिश करते हैं।
- भारतीय सशस्त्र बलों ने भविष्य के युद्धों के लिए तैयार होने की अपनी खोज में एक परिवर्तनकारी बदलाव शुरू कर दिया है, संयुक्तता और एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए पहल की जा रही है क्योंकि संरचनाओं को त्रि-सेवा, बहु-डोमेन संचालन को सक्षम करने के लिए संशोधित किया गया है।
- परंपरागत रूप से, त्रि-सेवा कमांडरों का सम्मेलन (टीएससीसी) हर साल किसी एक सेवा के कमांड मुख्यालय में आयोजित किया जाता है। कमांडर भू-राजनीतिक स्थिति की समीक्षा करते हैं और परिचालन तैयारियों और तालमेल को बढ़ाने पर विचार-विमर्श करते हैं।

पूर्ण सूर्यग्रहण

खबरों में क्यों?

- 8 अप्रैल को एक दुर्लभ खगोलीय घटना - पूर्ण सूर्य ग्रहण - का गवाह बनेगा। प्रशांत महासागर से शुरू होकर यह खगोलीय घटना मैक्सिको, संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा से होकर गुजरेगी। भारतीय मानक समय (आईएसटी) के अनुसार, पूर्ण सूर्य ग्रहण 8 अप्रैल को रात 9:12 बजे शुरू होगा और अगले दिन सुबह 2:22 बजे समाप्त होगा।

समाचार के बारे में अधिक जानकारी

- यूएस नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (NASA) के अनुसार, "पूर्ण सूर्य ग्रहण तब होता है जब चंद्रमा सूर्य और पृथ्वी के बीच से गुजरता है, जिससे सूर्य का चेहरा पूरी तरह से अवरुद्ध हो जाता है। आसमान में अंधेरा छा जाएगा मानो भोर या शाम हो गई हो।"
- पूर्ण सूर्य ग्रहण के मार्ग में लोग सूर्य के कोरोना, बाहरी वातावरण को देख सकते हैं, जो अन्यथा आमतौर पर सूर्य के उज्ज्वल चेहरे से अस्पष्ट होता है।
- जैसे ही ग्रहण टेक्सास में प्रवेश करेगा, ग्रहण के पथ के केंद्र में कुल मिलाकर लगभग 4 मिनट, 26 सेकंड तक रहेगा। 4 मिनट से अधिक लंबी अवधि इकोनॉमी, इंडियाना तक उत्तर की ओर फैली हुई है।

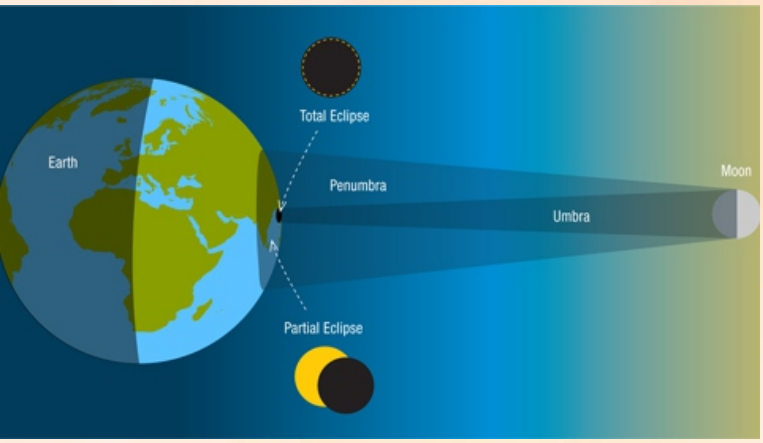

- महाद्वीपीय अमेरिका ने लगभग 218 वर्ष पहले 16 जून 1806 के बाद से इतनी अवधि का पूर्ण सूर्य ग्रहण नहीं देखा है। यह बहुत अलग समय और परिवेश था। और 1806 का ग्रहण, जिसे 'टेकुमसेह ग्रहण' के नाम से जाना जाता है, अमेरिका के इतिहास में एक बड़ी घटना के रूप में दर्ज हो गया है - खगोलीय रूप से, और अधिक महत्वपूर्ण रूप से, राजनीतिक रूप से।

'टर्निंग 18' अभियान

खबरों में क्यों?

- जैसा कि देश 2024 लोक के लिए तैयार हो रहा है लोकसभा चुनाव, भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर 'टर्निंग 18' और 'यू आर द वन' जैसे अनूठे अभियानों के माध्यम से नागरिकों को शामिल करने के लिए एक अभिनव यात्रा शुरू की है, जिसमें व्यापक विषय के भीतर एक अनुरूप संदेश रणनीति को नियोजित किया गया है। 'चुनाव का पर्व, देश का गर्व'।

समाचार के बारे में अधिक जानकारी

- आयोग ने विभिन्न अवसरों पर मतदाता मतदान में सुधार की अपनी खोज में चिंता के कारण के रूप में शहरी उदासीनता और युवा उदासीनता की पहचान की है। 18वें लोक के लिए ईसीआई अभियान 'टर्निंग 18' सभा चुनाव, विशेष रूप से युवा और पहली बार मतदाताओं को लक्षित करते हैं।
- प्राथमिक उद्देश्य युवाओं को आगामी चुनावों में भाग लेने के लिए प्रेरित करना और पिछले चुनावों में देखे गए शहरी और युवा उदासीनता के महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित करना है।
- 'टर्निंग 18' अभियान अपने दर्शकों का ध्यान खींचने के लिए विभिन्न सम्मोहक विषयों और रणनीतियों का उपयोग करता है।
- रणनीति में आसान पहचान और जुड़ाव के लिए विषयगत लोगो के साथ व्यक्तिगत श्रृंखला की ब्रांडिंग शामिल है। इसके अतिरिक्त, अभियान समय के साथ हुई प्रगति को रेखांकित करने के लिए पिछले और हाल के चुनावों की तुलना को 'तब बनाम अब' के रूप में चित्रित करता है।
- 18 वर्ष के होने पर तुरंत मतदान के महत्व पर जोर देकर, अभियान युवा मतदाताओं के बीच नागरिक जिम्मेदारी की भावना को प्रेरित करना चाहता है।
- 'टर्निंग 18' अभियान के आधार पर, ईसीआई ने 'यू आर द वन' नामक एक और प्रभावशाली अभियान शुरू किया।
- इस पहल का उद्देश्य चुनावी प्रक्रिया में शामिल विभिन्न हितधारकों के अमूल्य योगदान को पहचानना और उनका जश्न मनाना है।
- आकर्षक कहानी कहने और मनमोहक दृश्यों (जैसे 'चाहे कुछ भी करना पड़े - हम अतिरिक्त मील चलते हैं, इसलिए आपको कुछ नहीं करना पड़ेगा') के माध्यम से अभियान इन व्यक्तियों के समर्पण और प्रतिबद्धता को उजागर करता है, जो लोकतांत्रिक ढांचे के भीतर उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों पर गर्व की प्रेरणा देता है।.
- इसमें प्रमुख हितधारकों, दिलचस्प उपाख्यानों और अतीत के चुनावों की कहानियों और वीडियो/रीलों को उजागर करना शामिल है जो पर्दे के पीछे काम करने वाली मतदान टीमों के अथक प्रयासों को उजागर करते हैं, जो प्रत्येक मतदाता तक पहुंचने को सुनिश्चित करने के लिए चुनौतीपूर्ण इलाकों में नेविगेट करते हैं।

प्रयास IAS ACADEMY
An Institute for UPSC & BPSC
prayasiasacademy
prayasiasacademy
prayasiasacademy.com

By
MUKESH SAHAY
Most Trusted Name For History Optional In India With 27 Years Of Experience
HISTORY OPTIONAL
FOUNDATION COURSE
• English Medium • Hindi Medium
ADMISSION OPEN
upto 50% OFF*
More info Call us:
8818810183 | 8818810184